लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

अमृत विचार

वैशाख कृष्ण पक्ष चतुर्थी 08:37 उपरांत पंचमी विक्रम संवत 2080

वर्ष 4, अंक 144, पृष्ठ 14, मूल्य: 6 रुपये

एक सम्पूर्ण अखबार

बरेली, सोमवार, 10 अप्रैल 2023

www.amritvichar.com

PAGE NO : 05 TOP

गीतकार गुलजार के गीतों ने बांधा समा, झूमे सुनने वाले

रिद्धिमा में कार्यक्रम की प्रस्तुति देते कलाकार।

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : एसआरएमएस रिद्धिमा में रविवार को अदब ए गुलजार के माध्यम से गीतकार गुलजार के कलाम और गीतों को गुरुओं और उनके शिष्यों ने प्रस्तुत किया। स्वरों की जुगलबंदी, वाद्ययंत्रों का तालमेल का श्रोताओं ने आनंद लिया।

अदब ए गुलजार का आगाज गायन के विद्यार्थी अतिशय और पंखुड़ी ने फिल्म मासूम के लिए लिखे गुलजार के गीत तुझसे नाराज नहीं जिंदगी से किया। फिल्म घर के कलाम आज कल पांव जमीं पर नहीं पड़ते मेरे को शालिनी और लता अग्रवाल ने अपने स्वरों से सजाया। गुरु आयुषि मजूमदार के साथ शिष्य रजनी ने कलाम आप अगर इन दिनों यहां होते, हम जमीन पर भला कहां होते को गाया। गेस्ट सिंगर श्रबोनी भट्टाचार्य, इंदू परडल ने गीत प्रस्तुत किए। गुरु स्नेह आशीष दुबे, शिवांगी मिश्रा, आयुषि मजूमदार, स्नेह आशीष दुबे ने भी गायन किया। एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देवमूर्ति, आदित्य मूर्ति, आशा मूर्ति, डा. प्रभाकर गुप्ता समेत अन्य लोग मौजूद रहे।